Maulana Nadwi's Literature

IN HINDI

मौलाना सय्यद अबुल हसन अली नदवी

और उनकी किताबें

हिन्दी भाषा में

निर्देशक
मो० गज़ाली
फुरक़ान अहमद खान नदवी
प्रवक्ता
मकतबा ए हिरा
पो० ब० नं० ३७४ लखनऊ
प्रकाशक
मजलिसे तहकीकात व नशरियाते ए इस्लाम
नदवा लखनऊ

मौलाना सय्यद अबुल हसन अली नदवी एक दृष्टि में

मौलाना सय्यद अबुल हसन अली नदवी का जन्म सन् १६१४ ई० में एक ऐसे परिवार में हुआ जिसमें राष्ट्र एवं देश की निः स्वार्थ सेवा की लम्बी परम्परा रही है। प्रारंभिक शिक्षा घर पर हुई, तत्पश्चात् यह दारुल उलूम नदवतुल उलमा से संबद्ध हुए और श्रेष्ठ योग्यता प्राप्त की। मौलाना हुसैन अहमद मदनी के संरक्षण में हदीस की शिक्षा और तफसीर लाहौर के मौलाना अहमद अली के संरक्षरण में प्राप्त की। इस समय आप दारुल उलूम नदवतुल उलमा के कुलपति हैं। आपने अरबी और उर्दू में इस्लामिक निष्ठा, साहित्य और इतिहास से सम्बंधित विषयों पर २०० से अधिक पुस्तकें लिखी हैं, जिनका पर्याप्त संख्या में अंग्रेजी, फ्रान्सीसी, टर्की, इन्डोनेशियाई, फारसी, फिलिपाइन और दूसरी भाषाओं में अनुवाद हो चुका है।

आपने सन् १६७४ में पयामे–इनसानियत के नाम से एक आन्दोलन चलाया और इसके लिए सम्पूर्ण देश में भ्रमण किया। इस आन्दोलन का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न सम्प्रदायों में स्नेह, प्रीत एवं भाईचारगी की भावना उत्पन्न करना और भरतीय समाज से भ्रष्टाचार, पक्षपात और चोर बाजारी की बुराइयों को जड़ से समाप्त करना है।

आपने विस्तार रुप से यात्रायें की हैं और आक्सफोर्ड, हार्वर्ड, बर्लिन आदि जैसी विश्व–प्रसिद्ध विश्व–विद्यालयों में व्याख्यान दिये हैं।

आप इस्लामिक केन्द्र आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष हैं तथा इस्लामिक लिट्रेचर के विश्व फोरम, जिसके सम्पूर्ण मुस्लिम जगत के लोग सदस्य हैं, के चेयरमैन है, लक्जेमबर्ग के फाउन्डेशन फार स्टडीज़ और रिसर्च के अध्यक्ष है, अकेडमी आफ आर्टस एण्ड लेटर्स, दमिश्क (सीरिया) के मेम्बर, नेशनल फाउन्डेशन फार ट्रान्सलेशन रिसर्च एन्ड स्टडीज, कारथेज (ट्यूनियिशया) के सदस्य, एडवाइजरी कमेटी यूनीवर्सिटी आफ मदीना के सदस्य है, मुस्लिम वर्डलीग मक्का (सऊदी अरब) के फाउन्डर सदस्य, शिबली अकेडमी, आज़मगढ़ (यू० पी०) के अध्यक्ष है, आल–इन्डिया मुस्लिम परसनल ला बोर्ड के अध्यक्ष है, एकाडमी आफ इस्लामिक रिसर्च एन्ड पब्लीकेशन्स लखनऊ के अध्यक्ष हैं।

आपने इस्लामिक अध्ययन के अपने विशिष्ट योगदान पर सन् १६८० में शाह फैसल एवार्ड से आपको सम्मानित किया गया।

मौलाना के बहुत से साहित्य का हिन्दी भाषा में अनुवाद हो चुका है जिसका विस्तार से वर्णन आगे के पृष्ठो में दिया गया है।

अ

1. **अच्छे – अच्छे नाम अल्लाह के**
(ऊर्दू हिन्दी)पृष्ठ सं० – 32
इस रिसाले में अल्लाह के अच्छे–अच्छे नाम (अस्माए हुस्ना) अनुवाद सहित एकत्र कर दिये गये हैं।
अनुवादक : **मो० हसन अंसारी**
छपने का वर्ष : 1992 ऊर्दू में 1990 में और इंग्लिश में 1991 में छपी है।
प्रकाशित : मजलिसे तहकीकात व नशरियाते ए इस्लाम नदवा लखनऊ

आ

2. **आशा की किरन**
(उर्दू हिन्दी) पृष्ठ सं० – १२
अनुवादक :– **मुहम्मद हसन अंसारी**
छापने का वर्ष :– १९८७
पयामे इंसानियत फोरम लखनऊ।

इ

3. इस्लाम मुकम्मल दीन मुस्तकिल तहज़ीब

(उर्दू,हिन्दी) पृष्ठ सं० – 32
अनुवाद – **मु० हसन अंसारी**
छपने का वर्ष – 1989 उर्दू में भी छपी है।
प्रकाशित :– मजलिसे तहकीकात व नशरियाते इस्लाम नदवा लखनऊ

4. इस्लाम एक परिचय

इस किताब में इस्लाम की सच्ची तस्वीर पेश की गयी है और दावत का अलबेला अन्दाज अख्तियार किया गया है।
(हिन्दी) पृष्ठ सं० – 120
अनुवाद : **मो० हसन अंसारी**
छपने का वर्ष : 1996
प्रकाशित :– मजलिसे तहकीकात व नशरियाते इस्लाम नदवा, लखनऊ

5. इस घर को आग लग गई घर के चिराग से

(ऊर्दू,हिन्दी) पृष्ठ सं० – 16
22 मई 1975 को लखनऊ में की गई तकरीर
प्रकाशित :– पयामे इन्सानियत फोरम पो० ब० : 93 लखनऊ

ह

6. हिन्दुस्तानी मुसलमानों से साफ़ साफ़ बातें

(उर्दू,हिन्दी) पृष्ठ स0 - 44

अनुवादक : मोहम्मद हसन अंसारी

छपने का वर्ष : 1992 - पहला एडीशन : उर्दू 1991 - दूसरा एडीशन

प्रकाशित :- मजलिसे तहक़ीक़ात व नशरियाते इस्लाम

7. हिन्दुस्तानी समाज की जल्द खबर लीजिये

(उर्दू, हिन्दी)

प्रकाशित :- पयामे इन्सानयत फोरम : पो: बा: नं0 93

हजरत मोहम्मद सल्ल0 की कामिल पैरवी जरूरी :

8. हजरत मोहम्मद की कामिल पैरवी जरूरी

(हिन्दी)

9. हिन्दुस्तानी मुसलमान एक दृष्टि में

(उर्दू,अरबिक,हिन्दी,अंग्रेजी) पृष्ठ स0 - 142

अनुवादक : मुहम्मद हसन अंसारी

छपने का वर्ष : 1977 अरबी उर्दू अंग्रेजी में भी छपी है इस किताब में मौलाना ने पहले हिन्दुस्तानी मुसलमानों के रीति रिवाज को बयान किया है फिर यह बताया है कि इन रुप रेखा में कौन सा अंश सही इस्लामी शिक्षा के अनुकूल है और कौन सा अंश वास्तविक इस्लामी पथ से हटा हुआ है।

प्रकाशित :- मजलिसे तहक़ीक़ात व नशरियाते इस्लाम नदवा लखनऊ

10. हिन्दुस्तानी मुसलमानों के जज़्बात और समस्याओं को समझने का प्रयास कीजिये :

(उर्दू,हिन्दी)पृष्ठ स0 - 37

छपने का वर्ष : 1986

प्रकाशित :- आल इण्डिया सालीडेरिटी फोरम टैगोर मार्ग पो0 ब0 नं0 : 119 - लखनऊ

ज

11. **जग के मोहसिन**

(ऊर्दू,हिन्दी) पृष्ठ सं० – 26

अनुवादक : हसन अंसारी

छपने का वर्ष : 1982 उर्दू और अंग्रेजी में भी छपी है।

प्रकाशित : मजालिसे तहकीकात व नशरियाते इस्लाम लखनऊ

12. **जीवन का पथ प्रदर्शक**

अल्लाह की किताब और सुन्नत व रसूल की जीवनी की रोशनी में एक सच्चे मुसलमान की जवानी की पूर्ण कार्य पद्धति, पथ -- प्रदर्शक, आस्था व विश्वास, चरित्र व आचरण आदि का एक आदर्श संकलन

द

13. **देश में विश्वास तथा प्रेम का वातावरण**

(ऊर्दू, हिन्दी, अंग्रजी)

छपने का वर्ष : – 1983 उर्दू और अंग्रेजी में भी प्रकाशित हुई है।

प्रकाशित :– पयामे इन्सानियत फोरम लखनऊ

14. **देश का ख़तरनाक रुख़ और विद्युल समाज की ज़िम्मेदारियां**

(ऊर्दू,हिन्दी)

छपने का वर्ष :– 1983 उर्दू में प्रकाशित हुई है।

प्रकाशित :– पयामे इन्सानियत फोरम लखनऊ

15. **दस्तूरे हयात**

(ऊर्दू, अरबिक, हिन्दी, अंग्रेजी) पृष्ठ सं० – 178

अनुवादक :– **मु० हसन अंसारी**

छपने का वर्ष :– 1987

प्रकाशित :– मजलिसे तहकीकात व नशरियाते इस्लाम लखनऊ

16. **देश और समाज का सबसे भयंकर रोग**

(ऊर्दू, हिन्दी, अंग्रजी) पृष्ठ सं० – 28

छपने का वर्ष 1993 उर्दू और अंग्रेजी में भी प्रकाशित हुई

प्रकाशित :– पयामे इन्सानियत फोरम लखनऊ

17. **देश की गरिमा और गर्व को बढाने वाले**

प्रष्ठ सं – 22

अनुवादक :– **मु० हसन अंसारी**

छपने का वर्ष :– 1995

प्रकाशित :– पयामे इन्सानियत फोरम लखनऊ

18. **दो रोजे**

(उर्दू हिन्दी) पृष्ठ सं० – ९४

अनुवादक :– **ज़काउल्लाह खां**

हजरत मौलाना ने यह तकरीर बरोज जुमा (आखिरी जुमे को) मस्जिद तकया कलां रायबरेली में एक बड़े मजमे के सामने फरमाई।

न

19. निशाने राह

(ऊर्दू, हिन्दी) प्रष्ठ सं० – २४

अनुवादक :– **मु० हसन अंसारी**

छपने का वर्ष :– 1989

प्रकाशित :– मजलिसे तहकीकात व नशरियाते इस्लाम लखनऊ

20. नारी की प्रतिष्ठा और उसके आधिकारों की बहाली

(अंग्रेजी, अरबिक, हिन्दी) प्रष्ठ 24

छपने का वर्ष :– 1986

अनुवादक :– **मु० हसन अंसारी**

प्रकाशित :– मजलिसे तहकीकात व नशरियाते इस्लाम लखनऊ

21. नबी ए रहमत

(ऊर्दू, अरबिक, हिन्दी, अंग्रेजी, तुर्की) पृष्ठ सं० 479

जिसमें हज़रत मुहम्मद स० की जीवनी तथा चरित्र (सीरत) प्रस्तुत किया गया है और जिसमें इस विषय पर इससे पूर्व लिखी गई प्रमुख पुस्तकों तथा प्रमाणित ग्रन्थों का निचोड़ आ गया है।

अनुवादक :– **मु० हसन अंसारी**

छपने का वर्ष :– 1983

प्रकाशित :– मजलिसे तहकीकात नशरियाते व इस्लाम लखनऊ

ब

22. बात प्रेम और भाईचारे की

पृष्ठ सं० – 83
अक्टूबर 1983 को गोरखपुर में की गयी तकरीर
छपने का वर्ष : 1983
प्रकाशित :– पयामे इन्सानियत फोरम पो० बा० नं० 93 लखनऊ

म

23. मदीने की डगर

(ऊर्दू, अरबिक, अंग्रेजी) पृष्ठ स० : 155
लेखक के विभिन्न व्याख्यानों और सीरत के निबन्धों का संकल्प है।
छपने का वर्ष : 1982
अनुवादक :– **मो० हसन अंसारी**
प्रकाशित :– मजलिसे तहकीक़ात व नशरियाते इस्लाम नदवा लखनऊ

24. मुसलमानों ने इस देश को क्या दिया

(ऊर्दू, हिन्दी) पृष्ठ स० – 32
अनुवादक : **मो० हसन अंसारी**
छपने का वर्ष :– 1995
प्रकाशित्त :– पयामे इन्सानियत फोरम लखनऊ

25. **मानवता का स्तर**

पृष्ठ सं० : 77

अनुवादक :– **अतहर हुसैन**

मौलाना सैयद अबुल हसन अली नदवी के पांच महत्वपूर्ण व्याख्यानों का संग्रह जिसमें यह बताया गया है कि हमारी संस्कृति तथा जीवन में आधारभूत त्रुटियां एवं कमजोरियां क्या है हम उन्हें किस प्रकार दूर कर सकते हैं।

छपने का वर्ष : 1977 उर्दू में भी प्रकाशित हो चुकी है।

प्रकाशित :– मजलिसे तहकीकात व नशरियाते इस्लाम लखनऊ

26. **मानवता का संदेश**

(उर्दू, हिन्दी) पृष्ठ सं० – 91

यह पांच प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण भाषण, जिनके द्वारा मानव जाति की आत्मा को झिंझोड़ा गया है। वर्तमान युग की जटिल समस्याओं को सुलझाने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण जिसके बिना वर्तमान समाज में व्यापक असंतोष तथा भ्रष्टाचार का समाप्त होना असम्भव है।

अनुवादक :– **अतहर हुसैन**

प्रकाशित होने का वर्ष :– 1968

प्रकाशित :– मजलिसे तहकीकात व नशरियाते इस्लाम लखनऊ

स

27. **सभ्यता व संस्कृति पर**
इस्लाम की छाप और उसकी देन

(ऊर्दू, अरबिक, हिन्दी, तुर्की) पृष्ठ सं० – 114

इस पुस्तक में इस्लाम और मानव सभ्यता पर प्रकाश डाला गया है। जो शिक्षित वर्ग के लिए उदार व सत्य प्रेय न्यायप्रेय होने के साथ विशाल दृष्टिकोण रखती है।

अनुवादक :– **मु० हसन अंसारी**

छपने का वर्ष :– 1987

प्रकाशित :– मजलिसे तहकीकात व नशरियाते इस्लाम लखनऊ

28. **सलामती का रास्ता**

(उर्दू हिन्दी) पृष्ठ सं० – १६

जकाउल्लाह खां

जनाब मौलान सै: **अबुल हसन अली नदवी मछलीमुहल्ला** ने जुमअतुल विदा रमजानुल मुबारक १४१६ हिजरी को जो तकरीर फरमाई (तकया कलां रायबरेली) में वह खिदमत में पेश है।

29– [illegible]

अनुवादक [illegible]

प्रकाशित [illegible]

30– निजात का रास्ता